

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 24 जनवरी, 2008

विषय:- राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यो हेतु वर्ष 2007-08 में प्रशासकीय/वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या 3371/नलकूप/दिनांक 04.10.07, पत्र संख्या 3273/धनावटन प्रस्ताव/ दिनांक 08.09.07, पत्र संख्या 3068, दिनांक 27.09.07 एवं पत्र संख्या 3301/धनावटन प्रस्ताव/दिनांक 09.10.07 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद टिहरी की 4 एवं जनपद पौड़ी की 6 पम्पिंग पेयजल योजनाओं के स्वचालितीकरण हेतु उपलब्ध कराये गये कुल रु0 325.71 लाख तथा प्रकल्प शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम देवप्रयाग के अनुरक्षणाधीन 25 गुरुत्व पेयजल योजनाओं के रखरखाव हेतु उपलब्ध कराये गये अनु0लागत रु0 37.20 लाख के प्राक्कलनों पर टीएसी बिल के परीक्षणोपशान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि क्रमशः रु0 322.93 लाख (रु0 तीन करोड बाईस लाख तीरानवे हजार मात्र) एवं रु0 36.96 लाख (रु0 छत्तीस लाख छियानवे हजार मात्र) के प्राक्कलनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत नई/निर्माणाधीन योजनाओं पर संलग्न विवरणानुसार क्रमांक-4 पर जनपद अल्मोडा के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पेयजल योजनाओं के स्वचालितीकरण हेतु शासनादेश संख्या 625/उत्तीस(2)/06-2(99पे0)/05, दिनांक 27.03.06 द्वारा स्वीकृत लागत रु0 218.70 लाख की अवशेष धनराशि रु0 93.70 लाख, क्रमांक-5 पर जनपद नैनीताल की जलना भगोती पेयजल योजना की शासनादेश संख्या 654/उत्तीस(2)/05-2(19पे0)/05, दिनांक 21.03.06 द्वारा स्वीकृत अनु0लागत रु0 39.96 लाख की अवशेष धनराशि रु0 34.96 लाख, क्रमांक-9 पर जनपद देहरादून की नालापानी गनूरखेडा पुनर्गठन पेयजल योजना की शासनादेश संख्या 283/उत्तीस(2)/05-2(21पे0)/06, दिनांक 28.02.06 द्वारा स्वीकृत अनु0लागत रु0 326.00 लाख पर पूर्व में अवमुक्त रु0 130.00 लाख के अतिरिक्त 80.00 लाख तथा क्रमांक-10 पर गढ़वाल एवं कुमायूँ की 52 पम्पिंग पेयजल योजनाओं के विद्युत कार्यो के रखरखाव हेतु शासनादेश संख्या 1858/उत्तीस(2)/06-2(115पे0)/06, दिनांक 26.09.06 द्वारा स्वीकृत अनु0लागत रु0 589.26 लाख की अवशेष धनराशि रु0 274.75 लाख सहित कुल रु0 1072.85 लाख (रु0 दस करोड बहत्तर लाख पिच्चासी हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपको निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 2- स्वीकृत धनराशि का आहरण प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी तथा यथा समय बी0एम0-08 व बी0एम0-13 पर विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटन के अनुसार ही किया जायेगा और किसी अन्य अनायुमोदित योजना पर व्यय अपने स्तर से नहीं किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2008 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोग प्रमाण-पत्र (Utilization Certificate) शासन को प्रस्तुत किया जाय। उक्त विवरण प्रस्तुत करने के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हेण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
6. योजनाओं/कार्यों पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत आगणन नाम है। स्वीकृत आगणन से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
7. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- सम्बन्धित योजनाओं/कार्यों हेतु यथावश्यकता सक्षम स्तर नियमानुसार प्राविधिक, वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 10- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का सक्षम प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय। कार्य उपरान्त भी किये गये कार्य की गुणवत्ता का तृतीय परन्तु सक्षम पक्ष से सत्यापन कराकर सम्बन्धित रिपोर्ट शासन को तत्काल प्रस्तुत की जाय।
- 12- समय-समय पर निर्गत वित्तीय नियमों व मितव्ययता सम्बंधी निर्देशों की अनुपालना की जाय।
- 13- कराये जाने वाले कार्यों पर वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश सं0-ए-2-87(1)/दस-97-17(4)/275 दिनांक 27.02.97 के अनुसार सैंटेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गयी धनराशि में सैंटेज के रूप में व्यय की गयी धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैंटेज चार्जेज 12.5 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगा। इसे कृपया कड़ाई से सुनिश्चित कर लिया जाय।

14 आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गठित किये लिये ही अनुमन्य है। कार्य कराने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।

15 एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।

16 निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।

17 कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलिभौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवेता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

18 जी०पी०डब्लू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाईयों को कार्य सम्पादित कराना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

19 मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2008) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय/कार्य करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

20 योजना पर 40 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त की जा रही है। अतः योजना का निर्माण समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाना होगा। जिसके लिए योजना का पुनरीक्षित प्राक्कलन किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं होगा।

21 उपर्युक्त व्यव धालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत -102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सेक्टर - 00 -20- सहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता के नाम" डाला जायेगा।

22 यह आदेश जिल्ला विभाग की अशासकीय सं०- 745/XXVII(2)/2008 दिनांक 23 जनवरी 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)

अपर सचिव

पू०सं०/५१/उन्तीस(2)/०४-2(71पे०)/2007तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

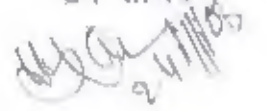
1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. मण्डलायुक्त कुर्मीयू/गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान गढ़वाल/कुर्मीयू

6. मुख्य अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम गढ़वाल/कुमायूँ।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 11. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तडागी)

उप सचिव

 24/11/07

शासनादेश संख्या - 150 / सन्तीस(2) / 08-2(71पे0) / 2007
दिनांक- 24 जनवरी, 2008 का संलग्नक

क्र० सं०	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	अवशुका धनराशि	व्यय	भौग
1	2	3	4	5	6
1	प्रकल्प शाखा, पेयजल निगम, देवप्रयाग के अनुसूचनाधीन 25 गुरुत्व पेयजल योजनाओं के रखरखाव वर्ष 2006-07	38.96	-	-	38.96
2	टिहरी गढ़वाल की 4 पम्पिंग पेयजल योजनाओं के स्वचालितिकरण हेतु	164.40	-	-	164.40
3	जनपद पौड़ी की 6 पम्पिंग पेयजल योजनाओं के स्वचालितिकरण हेतु	158.53	-	-	158.53
4	अल्मोड़ा के अन्तर्गत अनुसूचनाधीन पेयजल का स्वचालितिकरण	218.17	125.00	125.00	93.70
5	जनपद नैनीताल की जलना भर्गोति पेयजल	39.96	05.00	18.54	34.96
6	जनपद टिहरी की 12 गुरुत्व योजनाओं का रखरखाव वर्ष 2007-08	29.55	-	-	29.55
7	जनपद रुद्रप्रयाग की तैलासिलगढ़ पेयजल	623.46	-	-	100.00
8	जनपद रुद्रप्रयाग की जवाडी रोठिया पेयजल	1294.64	-	-	100.00
9	जनपद देहरादून की नालापानी ननूरखड़ा पुर्न पेयजल	326.00	130.00	105.71	80.00
10	गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डल की 52 पम्पिंग पेयजल योजनाओं के विद्युत कार्यों के रखरखाव हेतु	589.26	314.51	501.83	274.75
	योग:-				1072.85

(रु० दस करोड़ बहत्तर लाख पच्चासी हजार मात्र)

24.01.08
(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव
24/1/08